ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे- 411 001.

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान- डी ओ टी (020) 6122271 , 6123436
6123680 , 6127545
रेलवे - 5850
5870

छात्रावास- डी ओ टी (020) 6130579 , 6126816
6121669, रेलवे 5896
5897
5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल :
dr-office@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष- 6 | अंक- 23 | जुलाई-सितम्बर 2002

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76 वीं बैठक
2) मुख्य रेल पथ (मशीन) इंजीनियरों का सेमिनार
3) इंटरनेट कनेक्शन- अब अधिक प्रभावी
4) संरचनागत सुविधाओं में वृद्धि
5) आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां
6) प्रधान मुख्य इंजीनियर, पश्चिम रेलवे का व्याख्यान
7) स्वतंत्रता दिवस समारोह
8) प्रशिक्षण प्रबंधकों का सेमिनार
9) भा. रे. इं. से. (परि.) का अध्ययन दौरा
10) महाप्रबंधक, मध्य रेलवे का व्याख्यान
11) इरकॉन के लिए विशेष पाठ्यक्रम
12) राजभाषा सप्ताह का आयोजन
13) उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार
14) डिजीटल प्लानीमीटर की खरीद
15) प्रशिक्षु अधिकारियों का अध्ययन दौरा
16) तिमाही में संपन्न /जारी पाठ्यक्रम
17) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
18) आपके पत्र
19) सृजन

1 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76 वीं बैठक :

दि. 12-07-2002 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76 वीं बैठक संपन्न हुई, जिसमें दि. 30-06-2002 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुध प्रकाश ने की। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी ने हिंदी प्रगति की समीक्षा की।

2 मुख्य रेल पथ (मशीन) इंजीनियरों का सेमिनार :

दि. 24 तथा 25 जुलाई को मुख्य रेल पथ (मशीन) इंजीनियरों का सेमिनार संपन्न हुआ। इस सेमिनार के दौरान 'रेल पथ मशीनों के लिए विज़न' जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया। 12 इंजीनियर इस सेमिनार में उपस्थित हुए।

संपादकीय .....

'ज्ञानदीप' का यह अंक जब आपके कर कमलों में होगा, तब आप असत्य, अन्याय एवं अनास्था पर सत्य, न्याय एवं आस्था की विजय का पर्व 'विजयादशमी' मना चुके होंगे, दरअसल जिस तरह विजयादशमी संकल्प का पर्व है, उसी तरह हिंदी दिवस एवं राजभाषा सप्ताह भी आत्मपरीक्षण एवं संकल्प की घड़ी है, जैसा कि अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने अपने हिंदी दिवस संदेश में कहा है। सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए अनेक प्रकार के पुरस्कार, प्रोत्साहन तथा सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन ये साधन हैं, साध्य या लक्ष्य नहीं। अपनी भाषा में अपना काम करना हमारी इच्छा शक्ति, भावना, रूचि तथा मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है। संस्थान में हो रही हिंदी की प्रगति और पोषक वातावरण से परिलक्षित है कि अब हमारी मानसिकता में परिवर्तन का दौर शुरू हो चुका है।

आपके पत्र हमारा संबल है। आपके सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी। बहुत सी रचनाएं प्राप्त होती हैं, जिनके साथ रचना मौलिक, अप्रकाशित एवं अप्रसारित होने का प्रमाण पत्र नहीं होता। प्रमाण पत्र के अभाव में रचनाएं छप नहीं पाती।

दीपोत्सव की अशेष शुभकामनाओं सहित आगामी अंक तक विदा।

संरक्षक
बुध प्रकाश
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
रमेश पिंजानी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक- रेल पथ-2

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, आर.जे.पाल

3 इंटरनेट कनेक्शन- अब अधिक प्रभावी :

संस्थान में इंटरनेट कनेक्शन की गति को 64 के बी पी एस से बढ़ाकर 128 के बी पी एस कर दिया गया है, इससे प्रशिक्षण के क्षेत्र में सूचनाओं का आदान-प्रदान तेजी से हो रहा है।

4 संरचनागत सुविधाओं में वृद्धि :

संस्थान के छात्रावास में आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि के लिए टेबल टेनिस के 2 टेबल लगाए गए हैं तथा व्यायामशाला का दर्जा बढ़ाने का काम प्रगति पर है।

5 आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) के अंतर्गत गतिविधियां :

इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया), पुणे चैप्टर के तत्वावधान में आई. पी. डब्ल्यू. ई. (आई.) व्याख्यानमालाओं के क्रम में इस तिमाही के दौरान श्री सुधांशु शर्मा, प्राध्यापक, पुल द्वारा 'रेल ग्राइंडिंग अनुरक्षण तथा कार्य योजना' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

6 प्रधान मुख्य इंजीनियर, पश्चिम रेलवे का व्याख्यान :

संस्थान के अनुरोध पर श्री आर. एस. वार्ष्णेय, प्रधान मुख्य इंजीनियर, पश्चिम रेलवे ने दि. 7 अगस्त को संस्थान का दौरा किया तथा वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारियों को हाल ही में बाढ़ के कारण बह गए पश्चिम रेलवे के पालघर-भोईसर सेक्शन पर पुल सं. 144 की पुनर्स्थापना पर व्याख्यान दिया।

7 स्वतंत्रता दिवस समारोह :

संस्थान में दि. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर प्रातः निदेशक के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के अलावा प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।



(चित्र में वृक्षारोपण करते हुए निदेशक)

8 प्रशिक्षण प्रबंधकों का सेमिनार :

संस्थान में दि. 19 तथा 20 अगस्त को प्रशिक्षण प्रबंधकों (मुख्य सामान्य इंजीनियरों) का सेमिनार संपन्न हुआ, जिसमें मार्च 2001 में तत्कालीन सदस्य, इंजीनियरी के तथा मई 2002 में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के इरिसेन दौरे की निरीक्षण टिप्पणियों के संदर्भ में विशेष तौर पर संस्थान के वर्ष 2002-03 के पाठ्यक्रम कैलेन्डर पर दिए गए सुझावों पर विचार-विमर्श संपन्न हुआ। मंडल प्रशिक्षण केन्द्रों की उन्नति हेतु विचार-विमर्श को कार्यसूची में लिया गया। इस सेमिनार में वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के 8 अधिकारी उपस्थित हुए।

9 भा. रे. इं. से. (परि.) का अध्ययन दौरा :

संस्थान में भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के चरण-2 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षणरत परिवीक्षार्थियों को अध्ययन दौरे पर कोंकण रेलवे के गोवा में रेल पथ तथा गिट्टी रहित रेल पथ के यांत्रिकीकृत अनुरक्षण स्थल पर ले जाया गया।

10 महाप्रबंधक, मध्य रेलवे का व्याख्यान :

वर्ष 2001 परीक्षा समूह के भा. रे. इं. से. के 39 परिवीक्षार्थी दि. 2 सितम्बर को संस्थान में उपस्थित हुए। संस्थान के अनुरोध पर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री एस. पी. एस. जैन ने रेल सेवा में नवागंतुक इंजीनियरों को मार्गदर्शन दिया। संस्थान में एक सप्ताह के परिचयात्मक पाठ्यक्रम के पश्चात परिवीक्षार्थियों को आधारभूत पाठ्यक्रम के लिए रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वड़ोदरा भेजा गया।



(चित्र में महाप्रबंधक, मध्य रेलवे विचार-विमर्श के सत्र के दौरान)

11 इरकॉन के लिए विशेष पाठ्यक्रम :

इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के अनुरोध पर दि. 16 से 21 सितम्बर तक कंपनी के 21 इंजीनियरों के लिए 'मात्रा सर्वेक्षण' पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जो इरकॉन इंजीनियरों के लिए बहुत उपयोगी रहा।

12 राजभाषा सप्ताह का आयोजन :

संस्थान में दि. 19 से 27 सितम्बर तक 'राजभाषा सप्ताह' मनाया गया। सप्ताह का शुभारंभ 'हिंदी दिवस' के आयोजन से हुआ।



(चित्र में सप्ताह के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए निदेशक, दाएं उमुराधि तथा पार्श्व में राजभाषा अनुभाग के कर्मचारी)

प्रारंभ में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी ने हिंदी प्रगति की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उपलब्धियों का उल्लेख किया, तत्पश्चात निदेशक ने प्रेरक तथा सारगर्भित भाषण दिया। समारोह के अंत में हाल ही में खरीदे गए हिंदी स्वयं शिक्षण पैकेजों 'लीला प्रबोध' एवं 'लीला प्रवीण' का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना प्राप्त हुई। दि. 20 सितम्बर को निदेशक के करकमलों द्वारा 'हिंदी वेतन पर्ची' का उद्घाटन संपन्न हुआ। हिंदी में वेतन पर्ची प्राप्त होने पर कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सप्ताह के अवसर पर कर्मचारियों के लिए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुई, जिसमें श्री अशोक द. सातपुते, मास्टर क्राफ्ट्समैन को प्रथम, श्री संजय ग. गाढवे, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी (लेखा) को द्वितीय तथा श्रीमती विद्या एस. जम्मा, प्रवर आशुलिपिक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में श्री संजू कांबले, अवर लिपिक को प्रथम, श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल को द्वितीय तथा श्री वीरेन्द्र सिंह, तकनीकी सहायक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 'प्रदूषण : कारण एवं निवारण' विषय पर आयोजित वाक् प्रतियोगिता में श्री जे. एम. पाटेकरी, तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला) को प्रथम, श्री सुनील पोफले, प्रधान नक्शानवीस तथा श्री अतुल घोड़ेकर, छात्रावास अधीक्षक-I को संयुक्त रूप से द्वितीय एवं श्री बी. एस. कांबले, कार्यालय अधीक्षक-II को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सुलेख प्रतियोगिता में श्री संजू कांबले को प्रथम, श्रीमती नेहा सप्तर्षि को द्वितीय तथा श्री सुनील पोफले को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

दि. 27 सितम्बर को आयोजित समापन समारोह के अवसर पर प्रारंभ में राजभाषा सहायक-I श्री विपिन पवार द्वारा माननीय उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर प्रश्नमंच का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थान के इतिहास में प्रथम बार आयोजित इस प्रश्न मंच में साहित्य, विज्ञान, रेलवे, राजभाषा आदि पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों पर तत्काल नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के विजेता कर्मचारियों को निदेशक के करकमलों द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सप्ताह के दौरान आयोजित संपूर्ण कार्यक्रमों में श्री विपिन पवार ने मंच संचालन किया।



(चित्र में प्रश्न मंच का एक मनोरंजक क्षण। प्रथम पंक्ति में दाएं से संकाय अध्यक्ष श्री पंडित, वरिष्ठ प्राध्यापक गण सर्वश्री यादव, शारदा, वर्मा। उत्तर देते हुए श्री जायसवाल, सह प्राध्यापक, माइक लेकर श्री विपिन पवार)

13 उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार :

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय के अनुरोध पर संस्थान में दि.23 से 27 सितम्बर तक उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम(सेमिनार)संपन्न हुआ,जिसमें क्षेत्रीय रेलों,उत्पादन ईकाईयों आदि के 20 अधिकारियों ने भाग लिया।

14 डिजीटल प्लानीमीटर की खरीद :

संस्थान ने इस तिमाही में एक डिजीटल प्लानीमीटर की खरीद की है, जिसे केवल आरेख पर अनुरेखित करने से टेढ़े-मेढ़े (किसी भी आकार के) क्षेत्रफल को परिकलित किया जा सकता है। यह उपस्कर मात्रात्मक परिकलनों के लिए बहुत उपयोगी होगा।

15 प्रशिक्षु अधिकारियों का अध्ययन दौरा :

समेकित पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु अधिकारियों को अध्ययन दौरे हेतु कोंकण रेल के मडगांव में पुलों के निरीक्षण, साथ ही गैंग कार्य संचालन एवं कोंकण रेल द्वारा अनुरक्षण के लिए अपनाई गई प्रणाली को दिखाने के लिए ले जाया गया। उन्हें ऑफ ट्रैक टेम्पर एवं आर एम यू वाहन का कार्य संचालन भी दिखाया गया।

16 तिमाही में संपन्न / जारी पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
	से	तक			
212	01-07-02	13-09-02	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेल पथ-1	23
205	01-07-02	19-07-02	भा.रे.इं.से.(परि.) 2000 परीक्षा,समूह-2 का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	31
235	08-07-02	10-07-02	भा.रे.लेखा से.(परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कार्य	15
228	15-07-02	19-07-02	अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेलपथ-2	15
206	22-07-02	06-09-02	भा.रे.इं.से.(परि.) 2000 परीक्षा,समूह-1 का चरण-2 पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	30
243	24-07-02	25-07-02	मुख्य रेल पथ इंजीनियर (मशीन) का सेमिनार	वरिष्ठ प्राध्यापक/ रेलपथ	12
246	29-07-02	23-08-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	वरिष्ठ प्राध्यापक/ पुल	15
231	05-08-02	16-08-02	रेल पथ मशीनों के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ पुल	11
232	06-08-02	08-08-02	भा.रे.सिग.इं.से.(परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कार्य	16
230	19-08-02	20-08-02	प्रशिक्षण प्रबंधकों (मुख्य सामान्य इंजीनियरों)का सेमिनार	संकाय अध्यक्ष	08
234	26-08-02	30-08-02	कांटे एवं पारकों पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेलपथ-1	14
207	02-09-02	06-09-02	भा.रे.इं.से.(परि.)2001 परीक्षा,का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	39
208	09-09-02	25-10-02	भा.रे.इं.से.(परि.)2000 परीक्षा,समूह-2 का चरण-2 पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	19

227	16-09-02	21-09-02	इरकॉन इंजीनियरों के लिए मात्रा सर्वेक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर	21
236	23-09-02	27-09-02	ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेल पथ-2	21
251	23-09-02	27-09-02	उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार	प्राध्यापक/ पुल	20
213	30-09-02	13-12-02	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेलपथ-१	19
239	30-09-02	04-10-02	सर्वेक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	10

17 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियों की कोटि
	से	तक		
249	11-11-02	23-11-02	एन टी पी सी के लिए रेल पथ एव पुल अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	एन टी पी सी इंजीनियर्स
218	11-11-02	27-12-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
241	12-11-02	14-11-02	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा.रे.यां.इ. से. (परि.)
203	18-11-02	05-12-02	भा.रे.इं.से.(परि.)2000 परीक्षा, समूह-1 का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	भा. रे. इं. से. (परि.)
233	02-12-02	05-12-02	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियो का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	व. प्र. श्रे.
244	09-12-02	20-12-02	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	सार्व. क्षेत्र के उपक्रम
245	10-12-02	12-12-02	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. भंडार से. (परि.)
209	16-12-02	07-02-03	भा. रे. इं. से. (परि.) 2001 परीक्षा, समूह-1 का चरण-1 पाठ्यक्रम	भा. रे. इं. से. (परि.)

18 आपके पत्र :

हिंदी त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' का अप्रैल-जून का अंक भेजने के लिए धन्यवाद। पत्रिका का स्वरूप छोटा होते हुए भी उसमें विविध जानकारी देने का प्रशंसनीय प्रयास किया गया है। चूंकि संस्थान पूरी तरह से तकनीकी प्रशिक्षण देता है, इसलिए रेल इंजीनियरी संबंधी आधुनिक तंत्रज्ञान का यदि स्थायी स्तंभ जोड़ा जाए तो इसकी सार्थकता में और अधिक वृद्धि हो सकेगी। भारतीय रेल की 150 वीं वर्षगांठ पर पत्रिका से जुड़े समस्त जनों को मेरी शुभकामनाएं।

- नितीन देसाई
सहायक प्रबंधक (राजभाषा),
भारतीय रिज़र्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय,
डॉ. एनी बेसंट रोड, वरली,

काफी समय से संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' पढ़ता आ रहा हूं। दिन-प्रति-दिन पत्रिका एक नवतरुणी की भांति और अधिक सुंदर और आकर्षक होती जा रही है। यूं तो संस्थान में आने का समय-समय पर अवसर मिलता रहा है, किंतु विविध गतिविधियों का ज्ञान इस पत्रिका रूपी मेघदूत द्वारा ही होता है। प्रिय मित्र डॉ. सिन्हा के साथ पूर्व में नियमित रूप से जो विचार - विनिमय होता था, उसमें इस पत्रिका का जिक्र भी अवश्य ही होता था। इतनी सुंदर और आकर्षक पत्रिका की गुणवत्ता भी सराहनीय है।

सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साधुवाद एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

- एस. पी. एस. गुप्ता
उप मुख्य इंजीनियर (प्रशासन),
पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय,
चर्चगेट, मुंबई-२०

19 सृजन (कविता) :

तुम

फूल पर जमीं
ओस की बूंद सी तुम,
परत-दर-परत जमीं
नेह की धुंध सी तुम।

जब भी खयालों में आती हो,
चांदनी-सी छा जाती हो।

ज़िंदगी के पृष्ठ पर
गुनगुनाती ग़ज़ल तुम,
मन की बंजर धरती पर
लहलहाती फ़सल तुम।

जब भी गीत गुनगुनाती हो,
मन मयूर को भा जाती हो।

अधरों के कंपन को
हौले से छिपाती तुम,
नयनों की भाषा पर
पहरें लगाती तुम।

जब भी आस जगाती हो,
बस, प्यास बन तरसाती हो।

- विपिन पवार
भा.रे.सि.इं.सं.,पुणे

रमेश पिंजानी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेल पथ-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एच्. एम्. टाइपसेटर्स, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4472844 द्वारा मुद्रित.